# संस्थान ने संतुलित उर्वरक उपयोग पर प्रशिक्षण-सह-कृषि सामग्री वितरण कार्यक्रम (11-14 मई 2026) आयोजित किया।

अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) के अंतर्गत "फसलों में उर्वरकों के संतुलित उपयोग" विषय पर कृषि सामग्री वितरण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन 11–14 मई 2026 के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा करनाल, पानीपत एवं पटियाला जिलों के चयनित गांवों में किया गया। इस कार्यक्रम में सं सांभली, मोहरी, उचाना, पालनगर, बस्तली, कलामपुरा एवं कुरक जागीर (करनाल), नौगांव (पटियाला) तथा नैन गांव (पानीपत) के कुल 130 किसानों (91 पुरुष एवं 39 महिला) ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. एस. के. सनवाल, निदेशक ने किसानों को उर्वरकों के असंतुलित उपयोग से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया तथा टिकाऊ खेती के लिए खेत की मांग के अनुसार पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने की आवश्यकता बताई। डॉ. बी. एल. मीणा ने मृदा परीक्षण तथा रासायनिक उर्वरकों के संतुलित एवं सही उपयोग के महत्व पर जानकारी दी, जिससे मृदा की उर्वरता बनी रहे। डॉ. ए. के. राय ने मृदा स्वास्थ्य सुधार तथा फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए जैविक इनपुटों के उपयोग पर चर्चा की। डॉ. कैलाश प्रजापत ने किसानों को वितरित किए गए कृषि इनपुटों किटों के बारे में जानकारी दी, जिनमें संतुलित पोषक तत्व उपयोग को बढ़ावा देने हेतु जैविक उर्वरक शामिल थे। डॉ. पारुल सुंधा ने टिकाऊ कृषि में जैव उर्वरकों की भूमिका एवं उनके लाभों के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागी किसानों को कार्बनिक उर्वरकों से युक्त कृषि सामग्री किट वितरित किए गए, ताकि किसान संतुलित उर्वरक उपयोग की तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित हों। इस पहल का उद्देश्य किसानों में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा क्षेत्र में मृदा स्वास्थ्य एवं फसल उत्पादकता में सुधार करना था।